Annual Examination 2019-20
Third Language Hindi – VIII – Answer Paper

1. 'पानी–पानी होना' का मतलब है – **लज्जित होना**। 1

2. साधारण का समानार्थी शब्द है – **आम** 1

3. मार्च 22 विश्व जल दिवसः जल–संरक्षण का संदेश देते हुए **पोस्टर** 4

मार्च 22 विश्व जल दिवस

- पानी का उपयोग सावधानी से करें।
- अधिकाधिक पेड़–पौधे लगाएँ।
- पर्यावरण को प्रदूषण से बचाएँ।
- जल–स्रोतों का संरक्षण करें।
- सावधान रहेंः जल है तो कल है।

जल–संरक्षण समिति, कासरगोड

–अथवा–

जलसंरक्षण का संदेश देने वाले **नारे** लिखें।

i) जल जीवन का आधार है।

ii) जल नहीं तो कल नहीं।

iii) जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाएँ।

iv) जल जीवन है।

4. कोष्ठक के शब्दों से **पिरामिड की पूर्तिः** 2

मज़दूर दुबला है।

ज़्यादा काम से मज़दूर दूबला है।

ज़्यादा काम से **गरीब** मज़दूर दूबला है।

बहुत ज़्यादा काम से गरिब मज़दूर दूबला है।

5. **पंक्तियों का आशयः** 4

मशहूर यूनानी (German) कवि बर्तोलड ब्रेख्त की एक अच्छी कविता है 'डाक्टर के नाम मज़दूर का पत्र'। इस कविता के द्वारा कवि गरीब किसानों की शोचनीय हालत की ओर पाठकों का ध्यान आकर्षित करते हैं।

गरीब किसानों को बहुत ज़्यादा काम करना पड़ता है। लेकिन भोजन तो बहुत कम मिलता है। ज़्यादा काम करनेवालों को कम भोजन और कम काम करनेवालों को ज़्यादा भोजन मिलता है। ऐसी हालत में मज़दूर बहुत कमज़ोर और दुबले बन जाते हैं। डॉक्टर नुस्खे पर लिखते हैं कि 'और वज़न बढ़ाओ'। पेट भर खाना मिलता नहीं बहुत ज़्यादा काम करना भी पड़ता है। फिर ये गरीब मज़दूर अपना वज़न कैसे बढ़ा सकते हैं।

किसान हमारे अन्नदाता हैं। उनकी मेहनत का फल हम खाते हैं। मज़दूरों को पर्याप्त भोजन और पैसे मिलने चाहिए। भारत एक कृषिप्रधान देश है। किसानों के महत्व की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करनेवाली यह कविता बिलकुल अच्छी और प्रासंगिक है।

(शोचनीय हालत – ശോചനീയമായ അവസ്ഥ, अन्नदाता – അന്നദാതാവ്, मेहनत – അദ്ധ്വാനം, पर्याप्त – പര്യാപ്തമായ, कृषिप्रधान देश – കാർഷിക രാജ്യം, ध्यान आकर्षित करना – ശ്രദ്ധ ക്ഷണിക്കുക, प्रासंगिक – പ്രസക്തം)

6. लड़का गुड़ खा न सका। कारणः **उसकी गरीबी** 1

7. उसने में निहित सर्वनामः **वह** 1

8. लड़के की गुड़ खाने की इच्छा सफल नहीं हुई। लड़के की संभावित **डायरीः** 4

तारीखः ....

पता नहीं आज कैसे मेरे मन में फिर से सफेद गुड़ खाने का विचार आया। उसका विचार आते ही मुझे अपने उन दोस्तों की याद आती है जो मुझे चिढ़ा–चिढ़ाकर गुड़ खाते हैं। लालच बढ़ने पर माँ के बटुए से पैसे की चोरी करने का विचार तक आया। फिर मैं इस बुरे विचार पर अपने को कोसने लगा। माँ के सामने अपनी इच्छा प्रकट करने पर भी फायदा नहीं हुआ। गरीब माँ पैसे नहीं होने से आसमान की तरफ़ देखने लगी। तभी मुझे ईश्वर याद आया। माँ कहती थी कि हमारे साथ ईश्वर है। मैंने ईश्वर की प्रार्थना की। मेरी हथेली के अंदर एक चिकनी चीज़ का अनुभव हुआ। मैं अत्यंत खुश हुआ। वह एक अठन्नी थी। दौड़े–दौड़े दूकान तक पहुँचा। मैंने दुकानदार के सामने अठन्नी फेंकी। वह धनिया के डब्बे में जा गिरी। दुकानदार के ढूँढ़ने पर अठन्नी नहीं एक चिकना पत्थर ही मिला। मैं बहुत दुखी हुआ, आँखें झलकने लगीं। दुकानदार ने अपनी ओर से मुझे सफ़ेद गुड़ देने की इच्छा प्रकट की। लेकिन मैंने नहीं लिया। मैंने ईश्वर से माँगा था, दुकानदार से नहीं। मैंने आज एक निर्णय लिया कि आगे मैं ईश्वर से कुछ नहीं माँगूँगा। आज का दिन मैं कभी नहीं भूलूँगा।

अथवा

दुकानदार – लड़काः बातचीत

दुकानदारः आओ बेटा क्या चाहिए?

लड़काः आठ आने का सफ़ेद गुड़ दीजिए।

(पंसारी की तरफ़ अठन्नी गद्दी पर फेंकता है। वह सामने रखे धनिए के डिब्बे में गिर जाती है।)

दुकानदारः (डिब्बे में टटोलते हुए) कहाँ है अठन्नी? एक खपड़ा तो मिला है।

लड़काः नहीं। मेरी अठन्नी थी। (बहुत उदास हो जाता है)

दुकानदारः दुखी मत हो बेटा। तुम गुड़ ले लो, पैसे फिर आ जाएँगे।

लड़काः नहीं। (लड़का रोता है)

दुकानदारः अच्छा पैसे मत देना, मेरी ओर से थोड़ा सा ले लो।

(एक टुकड़ा तोड़कर उसे देने लगता है)

(लड़का मुँह फेरकर चला जाता है)

9. मैं बहुत चतुर नहीं हूँ। तुम बहुत चतुर नहीं **हो**। 1

10. अकबर हर चीज़ के बारे में सीखना चाहते हैं। याने अपना ज्ञान बढ़ाना चाहते हैं। 1

11. चार सही प्रस्तावः 4

- ज्ञानार्जन ज़िदगी भर चलनेवाली प्रक्रिया है।
- हर व्यक्ति में कुछ न कुछ हुनर मौजूद रहता है।
- ज्ञान से सबकी भलाई होनी चाहिए।
- हर व्यक्ति से कुछ न कुछ सीखा जा सकता है।

12. अब्रहाम लिंकन अपने पुत्र को सिखाने का दायित्व **शिक्षक को** देते हैं। 1

13. हमें मेहनत से पैसा कमाना चाहिए। 1

14. परिश्रम के महत्व पर **टिप्पणीः** 4

परिश्रम सफल जीवन का आधार होता है। परिश्रम के बिना जीवन बितानेवाले अच्छा जीवन नहीं बिता सकते।

मेहनत से कमाया एक पैसा भी अत्यंत मूल्यवान होता है। बुरे मार्ग पर चलकर हम बड़ी रकम कमा सकते हैं। लेकिन हमें कभी भी ऐसे बुरे मार्ग पर चलकर नहीं कमाना चाहिए। नकल करके पास होने से फेल होना बेहतर है। पढ़ाई करके पास होने से फायदा होता है। हमें अपनी ज़िदगी में विभिन्न

प्रकार की मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। बाधाएँ होने पर भी हमें लक्ष्य को नहीं छोड़ना चाहिए। हमें आगे की ओर बढ़ना चाहिए। परिश्रम करके आगे बढ़नेवाले अपने मंजिल पर पहुँच जाते हैं। रास्ते में कठिनाइयाँ होने पर भी हमें मन लगाकर प्रयास करना चाहिए, तभी हम अपने लक्ष्य पर पहुँचेंगे।

परिश्रम सफलता की कुंजी है। परिश्रम को जारी रखनेवाले ज़रूर अपनी ज़िंदगी में विजयी होंगे।

15. **अच्छा** विशेषण शब्द है। 1

16 सही मिलानः 4

संतोष यादव	महिला पर्वतारोही है।
संतोष यादव के मन में	पहाड़ों पर चढ़ने की जिज्ञासा थी।
संतुलित दिमाग इंसान के लिए	अच्छा काम करने में मददगार है।
सभी के चेहरे पर खुशी देखना	संतोष यादव का लक्ष्य है

17. कवि **किसान की** विवशता का वर्णन करते हैं। 1

18. 'उसीके पास मेरी बारिश भी चली गई'– का तात्पर्य 2

किसान की आर्थिक विवशता और गरीबी उसे अपनी ज़मीन बेचने के लिए मज़बूर करती हैं। खेतों के बिना किसान का अस्तित्व नहीं होता। ऐसी हालत में किसान कहता है कि जिसके पास मेरी ज़मीन चली गई, उसी के पास मेरी बारिश भी चली गई।

19. ......आशयवाली पंक्तियाँः 2

अगली फसल होते ही सब चुकता कर दूँगा
अब तो मेरी झूठी
ये गुज़ारिश भी चली गई

Ravi. M., GHSS Kadannappally, Kannur, 670504. 9446427497